<u>लिंग संवेदीकरण</u>

1. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के माध्यम से बाल लिंग अनुपात में सुधार हेतु छात्राओ को जागरूक करने का कार्य प्राचार्या के उद्बोधन एवं विभिन्न प्रेरक कार्यक्रमों द्वारा किया जाता है।

   24 जनवरी 2023 को समाजशास्त्र विभाग की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका विषय था 'बालिका सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन'। इस विषय पर छात्राओं द्वारा स्लोगन एवं पोस्टर बनाए गए। लैंगिक संवेदीकरण को प्रभावशाली बनाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा, समाजशास्त्र प्रभारी प्रोफेसर सपना सिंह, सुश्री प्रियंका दीक्षित, डॉक्टर नीलम पांडे एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

समाज शास्त्र विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर पोस्टर प्रतियोगिता

2. महाविद्यालय में छात्राओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा विभिन्न प्रकार के निशुल्क प्रशिक्षण कराये जाते है।

   29 अप्रैल 2023 को सिंगर सिलाई मशीन एवम् रोटरी कल्ब के सहयोग से महाविद्यालय में सिलाई केंद्र की स्थापना की गयी।

इनक्यूबेशन सेंटर मे सिलाई सीखती छात्राए

<u>कार्ययोजना</u>

1. दिनांक 4-5 मार्च 2023 को महाविद्यालय में 'महिला सशक्तिकरण', विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रोफेसर नसरीन, प्रोफेसर अजरा मूसवी तथा अन्य विद्वानों ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा, पूर्व प्राचार्या डॉक्टर मंजू सारस्वत, महाविद्यालय के सचिव श्री हरि प्रकाश गुप्ता तथा अन्य सम्मानित सदस्य भी उपस्थित थे।

अमर उजाला : 05 मार्च 2023

महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी तभी आत्मनिर्भर बन सकेंगी : प्रो. अजरा

टीकाराम में राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुलपति ने कहा- प्राचीन काल से भारत में नारियों का विशिष्ट स्थान

<u>महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार</u>

2. महाविद्यालय में विभिन्न विभागो द्वारा भाषण, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शनी एवम सेमिनार आदि के माध्यम से छात्राओं को जागरूक किया जाता है 1
इस क्रम मे हिंदी विभाग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 10 मार्च 2023 को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने इस विषय पर काव्य पाठ कराया एवं साहित्य मे उल्लिखित नारी के स्वरुप संबंधी विचार पर पोस्टर बनाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर शर्मिला शर्मा, हिंदी विभाग की प्रभारी प्रोफेसर मिश्कात आबिदी, डॉक्टर कविता रानी तथा अन्य प्राध्यापिकाएं उपस्थिति रही। साथ ही शिक्षा शास्त्र विभाग की प्रोफेसर सीमा कौशिक एवं प्रोफेसर शैली शर्मा भी उपस्थित थी।

प्रतिभागी छात्राएं एवम प्रध्यापिकाये

3. 22 मार्च 2023 को एनएसएस की छात्राओं द्वारा तालसपुर कला गांव में जाकर अशिक्षित महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के लिए जागरूक किया गया तथा बालिकाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी पैदा की। साथ ही कन्या गर्भपात का विरोध करने के लिए कहा।

अशिक्षित महिलाओं को संवैधानिक अधिकारों से अवगत कराती छात्राएं

4. महाविद्यालय की छात्राओं को महाविद्यालय में विभिन्न कार्यों का प्रशिक्षण जैसे सिलाई केंद्र द्वारा सिलाई सिखाना और गुलाल बनाना आदि सिखाया जाता है जिससे वह आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें

दिनांक 16 मार्च 2023 को वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रभारी प्रोफेसर रेखा आर्या द्वारा छात्राओं को हर्बल गुलाल बनाना सिखाया गया। दिनांक 29 अप्रैल 2023 को छात्राओं को विभिन्न प्रकार के परिधान बनाने की कला सिलाई केंद्र में प्रशिक्षक श्रीमती शाइस्ता द्वारा सिखाई गई। इस अवसर पर इनक्यूबेशन सेंटर की प्रभारी प्रोफेसर रेखा आर्या, प्रोफेसर सीमा अग्रवाल, प्रोफेसर उम्मे कुलसूम, डॉ ममता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

अमर उजाला: 16 मार्च, 2

टीआर में हर्बल गुलाल बनाना सिखाया

अलीगढ़। टीकाराम कन्या महाविद्यालय में वनस्पति व जंतु विज्ञान की ओर से डीबीटी स्टार स्कीम के तहत 'हर्बल प्रिपरेशंस आओ करके सीखे' पर कार्यशाला हुई, जिसमें बीएससी बायो ग्रुप की 90 छात्राएं शामिल हुईं।

ब्यूटीशियन आरती जैन ने हर्बल शैंपू व हर्बल फेस पैक बनाना और हर्बल रंग से हर्बल गुलाल बनाना सीखा। वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेखा आर्य व जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना बंसल ने छात्राओं को हर्बल उत्पाद से जुड़ी जानकारी दी। छात्राओं ने हर्बल उत्पाद का स्टाल लगाया। प्राचार्या डॉ. शर्मिला शर्मा ने हर्बल गुलाल खरीदकर उनका उत्साह बढ़ाया। ब्यूरो

स्टॉल से हर्बल गुलाल खरीदतीं प्राचार्या। अमर उजाला

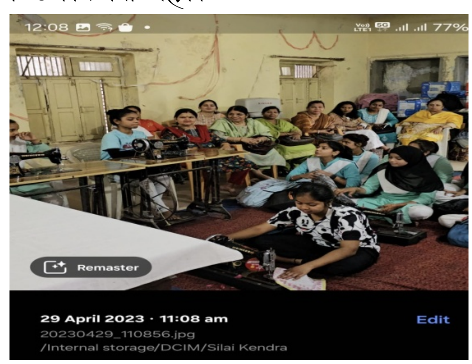

छात्राओं द्वारा गुलाल बनाना

छात्राओं द्वारा सिलाई सीखना